Greenlawns School, Worli

प्रथम सत्रीय पुनरावलोकन (२०२५-२६)

हिंदी

कक्षा :- नौवीं **पूर्णांक:- ८०**

दिनांक :- २२.०९.२५ **समय:- ३ घंटे**

Maximum Marks: 80
Time allowed: Three hours.
Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this question paper is the time allowed for writing answer.

Section A is compulsory - All questions in Section A must be answered.
Attempt any four questions from Sections B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two questions from the same book you have studied .
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ]

SECTION A

(Attempt all questions from this Section.)

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :

प्र.१निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त हिंदी लेख लिखिए [15]

१) 'मेरा देश भारत भौगोलिक, धार्मिक, भाषिक एवं सांस्कृतिक भिन्नताओं वाला देश है।' प्रस्तुत कथन को ध्यान में रखते हुए 'मेरा भारत महान' विषय पर एक लेख लिखिए ।

२) मनुष्य अपने अनुभव से बहुत कुछ सीखता है। अपने बचपन के दिनों की किसी ऐसी घटना का वर्णन कीजिए, जिसने आपको नई सीख दी हो। यह सीख आपके भावी जीवन में कैसे उपयोगी सिद्ध हो सकती है? इसका विवरण दीजिए।

३) आज का युग 'विज्ञापन का युग' है। कुछ उदाहरण देकर समझाइए कि विज्ञापन हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं ?

४) 'अब पछताए होत क्या , जब चिड़ियाँ चुग गई खेत' इस लोकोक्ति पर आधारित एक मौलिक कहानी लिखिए।

५) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिए , जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए ।

Question 2

Write a letter in Hindi of approximately 120 words on any one of the following topics :

प्र.२ निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए :- [7]

आपका छोटा भाई किसी दूसरे शहर में पढ़ने गया है, जहाँ वह खेलने के लिए समय नहीं निकल पा रहा है।खेलों का महत्त्व समझाते हुए उसे एक पत्र लिखिए।

अथवा

अपने नगर के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए, जिसमें आपके क्षेत्र में फैली गंदगी तथा उसके दुष्परिणांमों की ओर ध्यान आकर्षित कीजिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :

प्र. ३ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

डॉ. राधाकृष्णन भाषण कला के आचार्य थे। विश्व के विभिन्न देशों में भारतीय तथा पाश्चात्य दर्शन पर भाषण देने के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया। श्रोता तो उनके भाषणों से मंत्रमुग्ध ही रह जाते थे। डॉ.राधाकृष्णन में विचारों, कल्पना तथा भाषा द्वारा विचित्र ताना-बाना बुनने की अदभुत क्षमता थी। वस्तुतः उनके प्रवचनों की वास्तविक महत्ता उनके अंतर में निवास करती थी, जिसकी व्याख्या नहीं की जा सकती है। उनकी यही आध्यात्मिक शक्ति सबको प्रभावित करती थी, अपनी ओर आकर्षित करती थी और संकुचित क्षेत्र से उठाकर उन्मुक्त वातावरण में ले जाती थी।

हाज़िर जवाबी में तो डॉ. राधाकृष्णन गजब के थे। एक बार वह इंग्लैंड गए। विश्व में उन्हें हिन्दुत्व के परम् विद्वान के रूप में जाना जाता था। तब देश परतंत्र था। बड़ी संख्या में लोग उनका भाषण सुनने के लिए

आए थे। भोजन के दौरान एक अंग्रेज ने डॉ. राधाकृष्णन से पूछा, 'क्या हिन्दू नाम का कोई समाज है? कोई संस्कृति है ? तुम कितने बिखरे हुए हो ? तुम्हारा एक- सा रंग नहीं, कोई गोरा, कोई काला, कोई बौना, कोई धोती पहनता है, कोई लुंगी, कोई कुर्ता तो कोई कमीज़। देखो, हम अंग्रेज एक जैसे हैं सब गोरे-गोरे, लाल-लाल। इस पर डॉ. राधाकृष्णन ने तपाक से उत्तर दिया, 'घोड़े अलग-अलग रंग - रूप के होते हैं, पर गधे एक जैसे होते हैं। अलग-अलग रंग और विविधता विकास के लक्षण है।'

गीता में प्रतिपादित कर्मयोग के सिद्धातों के अनुसार वे एक निर्विवाद निष्काम कर्मयोगी थे। भारतीय संस्कृति के उपासक तथा राजनीतिज्ञ । इन दोनों ही रूपों में उन्होंने यह प्रयत्न किया कि वह संपूर्ण मानव समाज का प्रतिनिधित्व कर सकें और विश्व के नागरिक कहे जा सकें। वे एक महान शिक्षाविद् थे और शिक्षक होने का उन्हें गर्व था। उन्होंने अपने राष्ट्रपतित्व काल में अपने जन्म दिवस को 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

डॉ. राधाकृष्णन गौतम बुद्ध की तरह हृदय में अपार करुणा लेकर आए थे। उनका दीप्तिमय तथा उज्जवल आलोक, भारत के आकाश में तो फैला ही, विश्व की धरती भी उनकी रश्मियों के स्पर्श से धन्य हो गई। पूर्ण आयु एवं यशस्वी जीवन का लाभ प्राप्त करने के बाद, यह ८७ वर्ष की आयु में १६ अप्रैल, १९७८ को स्वर्ग सिधार गए।

डॉ. राधाकृष्णन हिंदुस्तान के साधारण आदमी के विश्वास, समझदारी, उदारता, कर्तव्यपरायणता, सनातन मंगला भावना, ईमानदारी और सहजता इन सबके साकार प्रतिबिंब थे। उन्हें बड़े देश का नागरिक होने का बोध और अधिक विनम्र बनाता था। उन्हें ऊँचे से ऊँचे पद ने और अधिक सामान्य बनाया तथा राजनीति के हर दाव - पेंच ने और अधिक निश्चल बनाया।

प्रश्नः

i. डॉ. राधाकृष्णन के पास कौन-सी अदभुत क्षमता थी ? उससे क्या होता था ? २

ii. भोजन के दौरान किसने, किससे और क्या पूछा ? २

iii. हम उनके जन्मदिन को किस रूप में मनाते हैं और क्यों ? २

iv. डॉ. राधाकृष्णन की क्या विशेषताएँ थी ? २

V. डॉ. राधाकृष्णन के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है ? २

Question 4

Answer the following according to the instructions given below :

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :- ८

(i) 'किनारा' का पर्यायवाची शब्द बताइए :-

a) तट - तीर

b) तिर - कमान

c) समुद्र - सागर

d) सर - सरोवर

(ii) 'पिता' का विशेषण शब्द बताइए:-

a) पितृत्व

b) पैट्रिक

c) पैतृक

d) पितृ

(iii) 'उचित' की भाववाचक संज्ञा चुनिए -

a) उचितता

b) औचित्य

c) अचिंत्य

d) उच्चित्य

(iv) 'ध्वंस' का विलोम शब्द चुनिए -

a) निर्मित

b) नवीन

c) नाश

d) निर्माण

(v) 'एक और एक ग्यारह' मुहावरे का अर्थ बताइए :-

a) गिनती गलत होना

b) एक से एक को जोड़ना

c) संगठन में शक्ति होना

d) आपस में झगड़े होना

(vi) 'कवियित्री' शब्द का शुद्ध रूप बताइए:

a) कवीयित्रि

b) कवियात्री

c) कवयित्री

d) कबयित्री

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए ।

वकील साहब के तर्कों को <u>कोई काट नहीं सकता</u> है।

(रेखांकित शब्द के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए)

a) वकील साहब के तर्क अकारण है।

b) वकील साहब के तर्क अकाट्य हैं।

c) वकील साहब के तर्क अखाद्य है।

d) वकील साहब के तर्क अद्वितीय है।

viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए ।
इन फूलों का रंग कितना निराला हैं।
(वाक्य का वचन परिवर्तित कीजिए।)

a) इन फलों का रंग कितना निराला हैं!

b) इस फूल का रंग कितना निराला है!

c) इन फूल का रंग कितना निराला हैं!

d) इस फूलों का रंग कितना निराला हैं!

Section B (40 Marks)

(Attempt any Four questions from this Section.)
(You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions from the same books you have chosen.)

साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ
(SAHITYA SAGAR – SHORT STORIES)

Question 5
Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:
प्र.५ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

फैसला सुनकर रमज़ान की आँखों में खून उत्तर आया। सोचने लगा,"यह दुनिया न्याय नगरी नहीं, अंधेर नगरी है।"

बात अठन्नी की
लेखक - सुदर्शन

I. किसकी आँखों में खून उतर आया और क्यों ? (२)
II. वक्ता की निगाहों में दुनिया क्या है और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। (२)
III. फैसला सुनानेवाले का परिचय दीजिए । उसने किस सम्बन्ध में , क्या फैसला दिया ? (३)
IV. प्रस्तुत कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। (३)

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र. ६ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

महायज्ञ ! और आज ! वे समझे कि उनका मज़ाक उड़ाया जा रहा है। विनम्र भाव से बोले, "आप आज की कहती हैं, मैंने तो बरसों से कोई यज्ञ नहीं किया। मेरी स्थिति ही ऐसी नहीं थी।"

' महायज्ञ का पुरस्कार'

लेखक - यशपाल

I.सेठानी की बात सुनकर सेठजी को ऐसा क्यों लगा कि उनका मजाक उड़ाया जा रहा है स्पष्ट कीजिए। (२)

II.'महायज्ञ' किसे कहते हैं? कहानी के प्रसंगानुसार समझाइए ? (२)

III.'मेरी स्थिति ऐसी नहीं थी। सेठ जी ने ऐसा क्यों कहा? कहानी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। (३)

I V. इस कहानी के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है ? विस्तार से लिखिए। (३)

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र. ७ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा। विश्वेश्वर के पास जाकर बोला, "काका मुझे पतंग मंगा दो।"

काकी

लेखक- सियारामशरण गुप्त

I. आसमान में उड़ती पतंग देखकर किसका हृदय खिल उठा और क्यों ? (२)

II. काका का चरित्र - चित्रण कीजिए। (२)

III. पतंग लाने में किसने वक्ता की सहायता की ?उसने क्या सुझाव दिया और क्यों ? समझाकर लिखिए।(३)

IV. 'काकी' इस पाठ का उद्देश्य लिखिए। (३)

(SAHITYA SAGAR – POEMS)

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र.८ निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

लेकिन विघ्न अनेक अभी
इस पथ पर अड़े हुए हैं
मानवता की राह रोककर
पर्वत अड़े हुए हैं।
न्यायोचित सुख सुलभ नहीं
जब तक मानव-मानव को
चैन कहाँ धरती पर तब तक
शांति कहाँ इस भव को ?

स्वर्ग बना सकते हैं'

कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

I.प्रस्तुत उपदेश कौन , किसे और कब दे रहा है? (२)

II."मानवता की राह रोककर पर्वत अड़े हुए हैं" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । (२)

III. 'न्यायोचित सुख सुलभ नहीं' काव्य पंक्ति का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए । विघ्न का अर्थ लिखते हुए बताइए कि ये विघ्न कहाँ अड़े हुए हैं ? (३)

IV.धरती पर सुख-चैन कैसे स्थापित हो सकता है? कवितानुसार लिखिए। प्रस्तुत कविता से आपको क्या सीख मिली ? (३)

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र. ९ निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

"काँकर पाथर जोरि के, मसजिद लई बनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय ॥
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार ॥

'साखी'

कवि - कबीरदास

I. 'ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय' पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। (२)

II. 'पाहन पूजे हरि मिले'- दोहे का भाव स्पष्ट कीजिए। (२)

III. शब्दों के अर्थ लिखिए - पाहन , पहार , लई , ताते , चाकी , जोरी (३)

IV. कबीरदासजी की भाषा पर टिप्पणी कीजिए। कबीरदासजी को समाज सुधारक के रूप में क्यों जाना जाता है ? (३)

Question 10

प्र. १० Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:-

में लिखिए :-

कमरी थोरे दाम की, बहुतै आवै काम ।
खासा मलमल वाफ्ता, उनकर राखै मान ॥
उनकर राखै मान, बंद जह आड़े आवै ।
बकुचा बाँधे मोट, राति को झारि बिछावै ॥
कह 'गिरिधर कविराय' मिलत है थोरे दमरी ।
सब दिन राखै साथ, बड़ी मर्यादा कमरी ॥

कुंडलियाँ'
कवि- गिरिधर कविराय

I. 'उनकर राखें मान' यहाँ किसका मान रखने की बात की गई है ? (२)
II. कवि का परिचय दीजिए । (२)
III. कमरी का क्या अर्थ है और इसकी क्या विशेषता है ? कवि ने इसे साथ रखने की बात क्यों की है ? (३)
IV.शब्दों के अर्थ लिखिए : दाम, मान, झारि, बकुचा, मर्यादा, थोरे । (३)

****